युवा एमबीए लेखकों ने किताबों की मार्केटिंग के लिए टिप्स दिए

भाषा नहीं, कहानी बिकती है

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

किसी भी पुस्तक की सफलता में उसकी भाषा नहीं, बल्कि विचार या कहनी ज्यादा अहम होते हैं। इसलिए जब आप लेखन का कार्य करें तो उसी भाषा में लिखें जिसमें आपके मन में विचार उत्पन्न हों। वह लिखें जो आपको सबसे अच्छा लगे। दिल से लिखें। बनावटीपन न लाएं। यह लेखन के साथ न्याय होगा। आपके लिए तो यह सच है ही, पाठक को भी इस पर यकीन होगा। ताज लिटरेचर फेस्टिवल के पहले दिन युवा एमबीए लेखकों ने ये मत रखा। उनके अनुसार लेखन के समय लेखक की टोपी पहन ली जाए और जब किताब पूरी हो जाए तब विक्रेता की टोपी पहन लेनी चाहिए।

इफ गॉड वॉज ए बैंकर से सुर्खियों में आए रवि सुब्रमन्नयम, एमके सांघी ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक और लेखक आश्विन सांघी एवं फिल्मकार-लेखक पीयूष झा ने उपस्थित समूह को किताबों की मार्केटिंग के टिप्स भी दिए। रवि का सुझाव था कि किताब की बिक्री की स्थिति हमेशा ट्रैक करते रहना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में किताब कमजोर है, तो वहां पर कोई एक्टिविटी कर उसे चर्चाओं में लाया जा सकता है। वहीं आश्विन ने बताया कि किस तरह उन्होंने अपनी पुस्तक को चर्चा में लाने के लिए ब्लॉगर्स से संपर्क किया। तमाम प्रतियां भेजीं ताकि समीक्षा हो सके। सोशल नेटवर्किंग साइटों का भी सहारा लिया। एक बार तो बेईमानी भी करी। पीछे रखी हुई अपनी किताबों को खुद ही उठाकर आगे रख दिया।

प्रबंधन के महारथियों ने लेखन में अपने प्रवेश के मजेदार किस्से सुनाए। रवि की पत्नी किसी कारण से एक महीने के लिए बाहर गईं तो खाली समय ने उन्हें लेखक बना दिया। वहीं पीयूष को उनकी फिल्म के दौरान एक्टर की डेट मिलने में दिक्कत लेखक बनने का कारण बनी। आश्विन को पढ़ने के शौक ने लेखक बनाया। दादाजी की लाइब्रेरी बहुत काम आई। चर्चा में दो पेशों में एक साथ बने रहने की बात भी शामिल रही।

बिजनेस छोड़ दूंगा, लेखन नहीं: आश्विन सांघी

आगरा। ऑटोमोबाइल, गैस उत्पादन, होटल उद्योग से जुड़े आश्विन सांघी को यदि जीवन में अपने एक ही पेशा कायम रखने की नौबत आई तो वे लेखन को वरीयता देंगे। आपके प्रिय अखबार 'हिन्दुस्तान' के साथ चर्चा में उन्होंने कहा कि लेखन उनकी नस-नस में समाया हुआ है। बताया कि बचपन में लगा किताबों का चस्का आज भी कायम है। आगे भी जारी रहेगा। कुछ अलग लिखने के लिए प्रसिद्ध आश्विन ने बताया कि यह उनके गहन अध्ययन की बदौलत ही संभव हुआ। उदाहरण दिया कि चाणक्य से जुड़ी अपनी किताब लिखने के लिए उन्होंने अर्थशास्त्र को आत्मसात किया। दूरदृष्टा कौटिल्य के हर शब्द में छिपा अर्थ समझा। उस जमाने की विदेश व्यापार नीति, राजकाज विधि, समाज के प्रति व्यवहार आदि दर्जनों विषयों पर मनन किया। अगले साल रिलीज होने वाली अपनी पुस्तक 'प्राइवेट मुंबई' को लेकर आश्विन बेहद उत्साहित हैं। इसमें उनको विश्व के नामचीन क्राइम थ्रिलर लेखक जेम्स पैटरसन के साथ जोड़ी बनाने का मौका मिला है। आगामी योजनाओं के विषय में उन्होंने कहा कि वे बिजनेस पर किताब लिखेंगे।

आश्विन सांघी